

वन एवं ग्राम्य विकास शाखा
संख्या: 165/व.ग्रा.वि.शा./2002
देहरादून: दिनांक: 3 मई, 2002

समस्त मुख्य विकास अधिकारी,
उत्तरांचल.

विषय: विधायक निधि से निर्मित कार्य.

उपरोक्त विषयक शासन के पत्र संख्या 1698/व.ग्रा.वि.शा./रा.स./
2002 दिनांक 22, मार्च 2002 का संदर्भ लें, जिसके पैरा 4 में यह स्पष्ट किया
गया था कि जो माननीय विधायकगण पुनः निर्वाचित नहीं हो सके हैं उनके
द्वारा स्वीकृत तथा आंशिक व अन्तर्गम परियोजनाओं को तात्कालिक रूप से
स्थगित किया जाना है तथा शासन के निर्णय प्राप्त होने पर ही अग्रेतर
कार्यवाही की जाय.

इस संबंध में शासन के उपरोक्त पत्र के पैरा 4 में उल्लिखित उक्त
निर्देश में आंशिक संशोधन करते हुए, "आंशिक" शब्द को हटा दिया जाता है।

(सजीव चौपड़ा)
सचिव